# लिंग

नर चाहे मादा के बोध करवया सबदवइन के लिंग कहल जाहे। खोरठाञ् खाली जीउ–जन्तु ले लिंगेक बिचार हे। लिंगेक जाइत कहल जाहे–सदानी भासा बा छेतरीय भासाञ् लिंगेक सवाल भिनु नखे। सेले जाइत माने मरद जाइत आर जनी जाइत। माने कहल जाइ पारे जे खोरठा सबदेक कोनो लिंग नाञ् हवो हइ। लिंगधारी परानी खातिर लिंग बनवेक कुछ विधान हइ। तकरे आधारे मुइख रूपे तीन लिंग हवो हइ –

1. पुलिंग
2. इसतीरिलिंग
3. लुपुंग (नपुंसक) लिंग

❋ बिधान 1 :- 'वाइन' परतइ जोइर के इसतीरिलिंग बनवेक –

| पुलिंग | इसतीरिलिंग |
|---|---|
| महतो | महतवाइन |
| साधु | सधुवाइन |

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

| | |
|---|---|
| गुरू | गुरूवाइन |
| बाबू | बबुवाइन |

❋ बिधान 2 :- 'न', 'इन' जोइर के इसतीरिलिंग बनवेक —

| पुलिंग | इसतीरिलिंग |
|---|---|
| तेली | तेलिन |
| सुँडी | सुँडिन |
| बाउरी | बाउरिन |
| भगत | भगतिन |
| कुम्हार | कुम्हारिन / कुम्हाइन |
| साँढ | साँढिन |
| बाघ | बाघिन |
| कोइरी | कोइरिन |
| साथी | साथिन |
| बढ़ी | बढ़िन |

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

❋ बिधान 3 :- 'आइन' परतइ जोइर के इसतीरिलिंग बनवेक –

| पुलिंग | इसतीरिलिंग |
|---|---|
| सेठ | सेठाइन |
| साहु | सहुआइन |
| बेदिया | बेदिआइन |
| बनिया | बनिआइन |
| माँझी | मंझिआइन |

❋ बिधान 4 :- 'ई' परतइ जोइर के इसतीरिलिंग बनवेक

| पुलिंग | इसतीरिलिंग |
|---|---|
| बड़का | बड़की |
| मुरगा | मुरगी |
| बांभन | बांभनी |
| काका | काकी |
| मोसा | मोसी |

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

| | |
|---|---|
| आजा | आजी |
| काड़ा | काड़ी |
| कुकुर | कुकरी |
| पाँठा | पाँठी |

❋ बिना विधान के लिंग–रद–बदल

बाबू – नुनी

लेरू – फेटाइन

काड़ा – भइंस

मरद – जेनी/जनी

हरवाहा – रोपनी

खाटी – खइटली/खटउली

सूप – सुपली

बाबू – मइंयां

लोटा – लोटनी

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

❖ <u>लुपुंग लिंग</u> – जे सबद ना नर के बोध करावे ना मादा के, जइसन–पहार , टुँगरी , गाछ, पइना , जतरा, पानी, झागर,सोना आरो–आरो। खोरठाञ् लुपुंग लिंग सबदे बेसी हइ। मकिन एकर छाडा कुछु सबदवइन अइसन हवो हइ जे दुइयो लिंग खातिर परजोग हवो हइ। जेरकम – अगुवा , गीदर , पोहना आरो–आरो।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner